एक नजर में

काव्य संग्रह जीवन बगिया महकाएंगे का भव्य विमोचन

इंदौर . वामा साहित्य मंच के सौजन्य में लेखिका कोमल रामचंदानी के बहुप्रतीक्षित प्रथम काव्य संग्रह जीवन बगिया महकाएंगे का विमोचन समारोह अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ . यह संग्रह प्रतिष्ठित शिवना प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है . वाग्देवी स्तुति वाणी जोशी ने प्रस्तुत की, जिसके बाद वामा साहित्य मंच की अध्यक्ष ज्योति जैन ने स्वागत उद्बोधन में कहा लेखिका कोमल रामचंदानी ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा में आत्मविश्वास और सकारात्मकता के बल पर फाइटर से राइटर बनने का सफर तय किया है। परिवार की पाती लेखिका के पिता मनोहर दरयानी ने पढ़ी। इसके पश्चात काव्य संग्रह का विमोचन हुआ, जिसकी सबसे खास बात यह है कि इसका सुंदर चित्रांकन लेखिका की पुत्री दीया रामचंदानी ने किया है . लेखिका ने पुस्तक के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह सकारात्मकता से भरी कविताओं का संग्रह है, जिसे उन्होंने आत्म-सुधार, जीवन को जीने के ढंग, कैंसर रोगियों और मानसिक दशा में सुधार के लिए लिखा है . मुख्य वक्ता पंकज सुबीर ने लेखिका का स्वागत करने उमड़े लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज लग रहा है नायकों की परिभाषा बदल गई है और आज एक लेखक का नायक की तरह स्वागत किया जा रहा है . डॉ . भारत रावत ने भी काव्य संग्रह की भूरी-भूरी प्रशंसा की और उसे सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाली एक महत्वपूर्ण औषधि बताया . कार्यक्रम में अतिथि स्वागत मनोहर दरयानी, मंजू मिश्रा, विनीत रामचंदानी, उषा गुप्ता, प्राची रामचंदानी, रश्मि चौधरी, राजकुमारी रामचंदानी और संदीप रामचंदानी ने किया . कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन डॉ . गरिमा दुबे ने किया और आभार प्रियंका मोक्षमार ने व्यक्त किया .

रूपांतरण यात्रा में नवोद्यमियों की सहभागिता

इंदौर . आरसीएम की राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा के शुभारंभ के बाद से अब तक लाखों नवोद्यमी इससे जुड़ चुके हैं . यात्रा का नवीनतम पड़ाव इंदौर रहा, जहां हजारों नागरिकों ने स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की . इंदौर कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया . उन्होंने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के बारे में जानकारी प्राप्त की . कार्यक्रम में नागरिकों को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली जन-जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया . इंदौर के लोगों ने इस यात्रा का स्वागत किया और हजारों लोग इस आयोजन में शामिल हुए . शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक योग सत्र आयोजित किया गया . कार्यक्रम का समापन एक प्रभावी जागरूकता रैली के साथ हुआ, जिसने इंदौर में सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार का संदेश फैलाया . आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के प्रबंध निदेशक सौरभ छाबड़ा ने कहा इंदौर से मिला जबरदस्त प्रतिसाद हमारे जन-आधारित आंदोलन की शक्ति और भावना को दर्शाता है . प्रबंध निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने कहा इंदौर में रूपांतरण यात्रा का आयोजन हमारी 17,000 किलोमीटर लंबी परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम हर महिला को गरिमा, शक्ति और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे पुरुषों के साथ मिलकर नए भारत के निर्माण में समान रूप से योगदान दे सकें . मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने कहा मुझे गर्व है कि रूपांतरण यात्रा ने इंदौर में जो उत्साह और प्रेरणा जगाई है, वह पूरे भारत में लाखों लोगों को सशक्त बनाती रहेगी .

शीतलनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर पर आज होंगे जाजम के चढ़ावे

इंदौर . हवा बंगला मेन रोड, द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर, द्वारकापुरी जिनालय में प्रतिष्ठा महोत्सव निमित्त जाजम चढ़ावे का दिव्य अनुष्ठान सोमवार को प्रात : 9 बजे से फूटी कोठी चौराहा स्थित पुखराज पैलेस पर होगा . वहीं, श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु, नाकोड़ा भैरव देव, भोमियाजी देव एवं आचार्य वीररत्न सूरी की गुरुमूर्ति प्रतिमा की प्रतिष्ठा शुक्रवार 5 दिसंबर को होगी . ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष संजय नाहर, उपाध्यक्ष सुशील कुकड़ा एवं सचिव चेतन भंडारी ने बताया कि 5 दिसंबर को होने वाले प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व 17 नवंबर को जाजम चढ़ावे का कार्यक्रम रखा गया है . इस अवसर पर आचार्य श्रीमद् विजय पद्मभूषण रत्न सूरीश्वर आदि ठाणा की निश्रा में आचार्य श्रीमद् विजय जिन सुंदर सूरीश्वर, आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर आदि ठाणा के साथ ही चातुर्मास के लिए विराजित साध्वी कल्पद्रुमा श्रीजी की भी पावन निश्रा प्राप्त होगी . मोहनखेड़ा वाले प्रख्यात संगीतकार देवेश जैन और उनकी टीम के सदस्य अपनी भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां देंगे .

फरार स्थाई वारंटी को जंगल की झोपड़ी से दबोचा

इंदौर . मानपुर पुलिस ने 25 वर्षों से न्यायालय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को दबिश देकर गिरफ्तार किया है . आरोपी वर्ष 1994 के मारपीट मामले में पेशी से लगातार गैरहाजिर चल रहा था, जिस पर वर्ष 2001 में महू न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था . थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह हिहोर ने बताया कि ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विभिन्न थानों में फरार आरोपियों और वारंटियों की धरपकड़ के लिए चल रही साप्ताहिक कॉम्बिंग गश्त के दौरान मानपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली . 25 साल से फरार चल रहे वारंटी 50 वर्षीय लादू उर्फ राधेश्याम पिता मायाराम गिनावा निवासी ग्राम रामपुरिया माधवपुरा (मेण), को पकड़ लिया .

सराफा में सोना ठगी का पर्दाफाश

- 126 ग्राम सोना मशीन और मोबाइल बरामद
- एक आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. सराफा इलाके में पार्सल डिलीवरी के बहाने की गई सोना ठगी मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर करीब 20 लाख रुपये का मल बरामद कर लिया. कार्रवाई में सोना गलाने की मशीन, दो मोबाइल और 126 ग्राम सोना शामिल है.

पुलिस उपायुक्त जोन-4 आनंद कलादगी ने बताया कि फरियादी अजय यादव ने 13 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि वीके ज्वेलर्स के नाम से राजकोट से आया पार्सल लेकर एक युवक महालक्ष्मी मंदिर, राजवाड़ा क्षेत्र से संपर्क में आया. युवक ने आरटीजीएस से भुगतान का आश्वासन देकर पार्सल ले लिया और तुरंत ठगी कर फरार हो गया. मामला गंभीर होने पर थाना सराफा में प्रकरण दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई गई। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर पूरे ठगे हुए सोने समेत उपकरण जब्त कर लिए. गिरफ्तार युवक की पहचान हिमांशु पिता शिवआसरे सिंह चंदेल (28), निवासी मनशाहपुर, जौनपुर (उ.प्र.) के रूप में हुई है. आरोपी का कई राज्यों में धोखाधड़ी का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है तथा पंजाब के जालंधर जिले में दर्ज एक मामले में उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी है. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है.

स्पा सेंटर की आड़ में चल रही थी अनैतिक गतिविधियां

- राजेंद्र नगर क्षेत्र में दो महिलाएं और एक पुरुष आपत्तिजनक हालत में मिले

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में कुंदन नगर मेन रोड पर स्थित एक स्पा सेंटर पर रविवार को दबिश के दौरान अनैतिक गतिविधियों का खुलासा हुआ. बिजली बंगला-हरिधाम मंदिर के सामने संचालित इस सेंटर में पहुंची टीम को दो महिलाएं और एक पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले, जिन्हें मौके से पकड़ा गया.

बजरंग दल के तन्नू शर्मा ने बताया कि दबिश के दौरान वहां मौजूद महिला ने पहले अपना नाम नेहा बताया, लेकिन दस्तावेजों की जांच में उसका नाम नजमा बानो पाया गया. स्पा सेंटर इसी नाम पर संचालित किया जा रहा था. जांच में सामने आया कि सेंटर में आने वाले ग्राहकों तक पहुंच सोशल मीडिया के जरिये बनाई जाती थी. पुराने ग्राहकों को महिलाओं के फोटो भेजकर बुलाया जाता था और वे आगे अपने परिचितों को यहां लाते थे। सेंटर में खाने-पीने की व्यवस्था भी रखी गई थी.

टीम ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है. स्थानीय संगठन के पदाधिकारी अनिल पाटिल ने बताया कि स्पा सेंटर की आड़ में गलत गतिविधियां चलने की सूचना पर कार्रवाई की गई. उनका कहना है कि क्षेत्र में इस तरह के सेंटरों के नाम पर होने वाली अवैध गतिविधियों पर पहले भी आपत्ति जताई जा चुकी है। पुलिस ने पकड़े गए लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे नेटवर्क की भूमिका की जांच की जा रही है। थाने में संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज होने की प्रक्रिया जारी है.

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में कॉलेज के एचओडी को हटाया

- एसजीएसआईटीएस कॉलेज के इलेक्ट्रिकल विभाग का मामला

नव भारत न्यूज

इंदौर. एसजीएसआईटीएस कॉलेज में छात्रा से अनुचित व्यवहार के आरोप के बाद इलेक्ट्रिकल विभाग के एचओडी प्रो. संदीप घोंघाड़े को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है. कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें पढ़ाई और परीक्षा से जुड़े सभी कार्यों से भी अलग कर दिया है. छात्रा ने डायरेक्टर से शिकायत की थी, जिसके बाद मामला जांच कमेटी को सौंप दिया है. कमेटी में बाहरी सदस्यों को भी शामिल किया है, प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है.

सूत्रों के अनुसार घटना गुरुवार की है. छात्रा ने आरोप लगाया है कि वह अपनी समस्या लेकर एचओडी के केबिन में गई थी. बातचीत के दौरान एचओडी ने उसके साथ अनुचित हरकत करते हुए कमर में हाथ डाला और कहा कि उसका ईयर-बैक होने के बावजूद उसे पास करा देंगे. घबराई छात्रा रोते हुए केबिन से बाहर निकल आई. उसी समय पास खड़ी एक अन्य फैकल्टी भी छात्रा की हालत देखकर सन्न रह गईं. शिकायत के बाद कॉलेज डायरेक्टर प्रो. नीतेश पुरोहित ने मामले को जांच कमेटी को सौंपने के साथ ही घोंघाड़े को विभागीय कार्यभार और शैक्षणिक जिम्मेदारियों से अलग कर दिया. एक्टिंग डायरेक्टर गिरिश ठक्कर ने बताया कि कमेटी आरोपों की निष्पक्ष जांच कर रही है और संबंधित स्टूडेंट्स व फैकल्टी से भी बयान लिए जा रहे हैं. इधर, आरोपों पर नव भारत ने प्रो. संदीप घोंघाड़े का पक्ष जानने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने साफ मना कर दिया.

इलाज में लापरवाही के आरोप, परिजन भड़के

- कोरल अस्पताल में प्री-मैच्योर नवजात की मौत का मामला
- बच्चे की हालत बिगड़ने के बाद दो दिन तक वेंटिलेटर पर रखने का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. पलासिया स्थित कोरल अस्पताल में एक प्रीब्लूमैच्योर नवजात की मौत को लेकर परिजनों ने गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं. परिवार का कहना है कि इलाज में गलती के कारण बच्चे की जान चली गई, लेकिन डॉक्टरों ने मौत के बाद भी उसे वेंटिलेटर पर रखा और लगातार बिल बढ़ाते रहे.

मामला महू निवासी श्रद्धा और मोनू कौशल के परिवार से जुड़ा है. गर्भावस्था के सातवें महीने में श्रद्धा की हार्टबीट अनियमित होने पर 23 अक्टूबर को महू के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने समय से पहले डिलीवरी कराने की सलाह दी. डिलीवरी के बाद बच्चे की हालत नाजुक बताई गई और उसे तत्काल इंदौर के कोरल अस्पताल रेफर किया गया. अस्पताल पहुंचने पर नवजात को एनआईसीयू में रखा गया, लेकिन उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई. परिजनों का आरोप है कि इलाज संभाल रहे डॉक्टर ने दवाइयों की गलत मात्रा दी, जिससे बच्चे की हालत और खराब हुई.

मकान तक बेच दिया

परिवार का कहना है कि बच्चे के निधन की पुष्टि होने के बाद भी उन्हें वेंटिलेटर पर रखने की बात कहकर दिखाया जाता रहा. परिजन बताते हैं कि बच्चे को बचाने की कोशिश में उन्होंने 6.50 लाख रुपए में अपना मकान तक बेच दिया, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें वास्तविक स्थिति से अनजान रखा . परिवार अब पूरे मामले की जांच और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है .

मुमुक्षु कुणाल बन गए पुण्यरत्न सागर और मुनिराज उदयरत्न बने गणिवर्य

- शहर के श्वेताम्बर जैन समाज ने रचा नया इतिहास, 24 घंटे में हो गई दो दीक्षाएँ

इंदौर. दलाल बाग स्थित नवरत्न नगरी पर रविवार को 24 घंटे की अवधि में दो दीक्षा समारोह और एक मुनिराज का गणि पद प्रदान महोत्सव जैसे अनूठे कीर्तिमान बन गए। जैनाचार्य विश्वरत्न सागर एवं आचार्य मृदुरत्न सागर करीब 70 साधु-साध्वी-भगवंतों की पवन निश्रा एवं उपधान तप के 70 तपस्वियों की विशिष्ट मौजूदगी में श्वेताम्बर जैन समाज इंदौर के इतिहास में पहली बार ये नए कीर्तिमान स्थापित हुए. शनिवार को 59 वर्षीय सुरेश कोठारी की दीक्षा संपन्न हुए 24 घंटे भी नहीं हुए कि रविवार को फिर एक और युवा 21 वर्षीय कुणाल कमठोरा ने भी संसार के वैभव और गाड़ी-बंगले को छोड़कर संयम, त्याग और वैराग्य की राह पकड़ ली.

नाम परिवर्तन किए बिना दिया पद

इसके पूर्व मुनिराज उदयरत्न सागर को गणि पद प्रदान महोत्सव का शुभारंभ भी मुमुक्षु कुणाल के साथ प्रारंभ हुआ . मुनिराज को गणिवर्य कीर्ति रत्न सागर ने नंदीसूत्र के 750 मंत्र सुनाए और उन्हें भी शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा के समक्ष संकल्प दिलाए . गणिवर्य पद के लिए काम आने वाली वस्तुएं भेंट करने के पहले उनकी बोली भी लगाई गई . आचार्यश्री ने उन्हें उनके नाम में परिवर्तन किए बिना उन्हें गणिवर्य का पद प्रदान करने की क्रिया संपन्न की और कान में मन्त्र भी फूंके .

दलाल बाग पर आज सुबह से दोपहर तक चली करीब 5 घंटे की शास्त्रोक्त विधि के बाद मुमुक्षु कुणाल को आचार्यश्री ने पुण्यरत्न सागर और मुनिराज उदयरत्न सागर के नाम के आगे गणिवर्य की उपाधि प्रदान करते हुए उन्हें जिन शासन की परंपरा के अनुसार नूतन वस्त्र भेंटकर पाट पर विराजित किया. अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट, पीपली बाजार, समग्र जैन श्वेतांबर श्री संघ मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार के तत्वावधान में सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुई शास्त्रोक्त विधियों को देखने के लिए देशभर से आए हजारों समाजबंधु मौजूद थे. मुमुक्षु कुणाल की आयु मात्र 21 वर्ष है और पिछले 2 वर्षों से वे अनेक तीर्थों सहित करीब एक हजार किलोमीटर विहार और गुरुकुलवास कर चुके हैं. रविवार को सुबह जब संसारी वेशभूषा में सोने के गहनों से लदे हुए वे आचार्य विश्वरत्न सागर से आशीर्वाद लेने पहुंचे तो उन्हें सन्यास का प्रतीक ओघा सौंपा गया, जिसे पाकर वे खुशी से मच पर ही इतने झूम उठे कि उनके परिजनों एवं अन्य साधु-भगवंतों ने उन्हें रोका. मंच पर उनका केश लोच की प्रतीकात्मक विधि संपन्न कर उनके परिजनों को उनके केश सौंपे गए. इस मौके पर महोत्सव के लाभार्थी एवं अन्य बोली लगाने वाले समाजबंधुओं का बहुमान भी किया गया. महोत्सव के मुख्य लाभार्थी दिलीप-ललित सी. जैन एवं प्रीतेश-अनिता ओस्तवाल ने मंच पर आने के बाद उन्हें साधु जीवन में काम आने वाली कामली, आसन, डांडी एवं अन्य वस्तुएं भेंट की. भगवान शांतिनाथ की साक्षी में आचार्यश्री ने उन्हें मुनिराज पुण्यरत्न सागर का नया नाम दिया और इस तरह कुणाल कमठोरा जिन शासन के मुनिराज बन गए. इस अवसर पर आयोजन समिति की ओर से पुण्यपाल सुराना, कैलाश नाहर, ललित सी. जैन, मनीष सुराना, दिलसुखराज कटारिया, प्रीतेश ओस्तवाल, अंकित मारु, दिलीप मंडोवरा एवं दीपक सुराना आदि ने सभी समाजबंधुओं एवं संतों की अगवानी की.

प्रेरक वक्ताओं और बच्चों की प्रस्तुतियों ने बढ़ाया हौसला

- मधुमेह जागरूकता सेमिनार का आयोजन

इंदौर. एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. संदीप जुल्का द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम दिल यह ज़िद्दी है का जाल सभागृह में रविवार को आयोजन हुआ. इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को मधुमेह के वास्तविक कारणों और वैज्ञानिक नियंत्रण के तरीकों के बारे में गहन तथा सरल जानकारी उपलब्ध कराना था. सेमिनार की शुरुआत प्रेरक वक्ताओं के विशेष सत्र से हुई, जिसमें शहर और देश के विविध क्षेत्रों से आए सम्मानित अतिथियों ने जीवन, संघर्ष, अनुशासन और सफलता के वास्तविक अनुभव साझा किए.

कार्यक्रम में प्रेरक वक्ताओं के रूप में यांग चेन भूटिया एसपी रूरल, डॉ. अशोक कुमार सोजातिया चेयरमैन एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ इंजीनियरिंग, अंकित पाटीदार मैनेजिंग डायरेक्टर शक्ति पंप्स, अनुभव दुबे संस्थापक चाय सुट्टा बार, मितुल सक्सेना सीनियर एडवोकेट, श्री अपूर्व फोटोग्राफर, राजकुमारी लाहाने शिक्षिका और शक्ति सिंह चौधरी बिजनेसमैन, उपस्थित रहे. सभी वक्ताओं ने अपने जीवन की चुनौतियों, उपलब्धियों, असफलताओं से मिली सीख और सफलता की यात्रा को अत्यंत प्रेरणादायक अंदाज़ में साझा किया. उनकी बातों ने यह संदेश दिया कि सकारात्मक दृष्टिकोण, नियमित अनुशासन, आत्मविश्वास और सही निर्णय जीवन की हर कठिनाई को अवसर में बदल सकते हैं. वक्ताओं ने अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य संघर्ष भी साझा किए.

बच्चों ने प्रस्तुत की कविता

इसके बाद कार्यक्रम का सबसे सुखद और प्रेरणादायक क्षण वह रहा जब टाइप1 डायबिटीज़ वाले छोटे बच्चों ने मंच पर कविता, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए . मुख्य सत्र में डॉ . संदीप जुल्का ने मधुमेह के वैज्ञानिक पहलुओं को सरल भाषा में समझाया . उन्होंने स्पष्ट किया कि मधुमेह केवल शुगर की बीमारी नहीं, बल्कि एक लाइफस्टाइल और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जो अस्थिर आदतों, तनाव, नींद की कमी और अनियमित आहार से गहराई से जुड़ा है .

युवा कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता

- तीन दिवसीय इंदौर लिटरेचर फेस्टिवल का समापन

इंदौर. इंदौर लिटरेचर फेस्टिवल सीजन 11 के तीसरे और अंतिम दिन 16 नवंबर 2025 को डेली कॉलेज परिसर में साहित्य, संगीत और संवाद का अनोखा संगम देखने को मिला. आखिर दिन होने के कारण सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंचते रहे, और हर सत्र में दर्शकों की भीड़ लगातार बढ़ती गई. आयोजन का माहौल बिल्कुल उत्सव जैसा रहा, जहाँ किताबें, कला, संगीत और कहानियाँ एक ही जगह पर सजी दिखीं. आयोजन में तीन दिनों में 5000 से ज्यादा लोग शामिल हुए

दिन की शुरुआत इंदौर की सरगम से हुई, जिसमें शहर के युवा कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया. इसके बाद स्थानीय कवियों का सत्र गीत गुंजन हुआ, जहाँ शहर के काव्य-स्वर मंच पर गूंजे और श्रोताओं ने विनम्र तालियों से स्वागत किया. इसके बाद मंच पर आए युवा रचनाकार, नए लेखक, जिन्होंने अपनी कहानियों, संघर्षों और शुरुआती यात्राओं को साझा किया. यह सत्र युवाओं से भरा रहा और शहर के उभरते लेखकों के लिए प्रेरणा का माध्यम बना। इसके बाद मधुरिमा के मयूर पंख नाम से कविताओं का रंगारंग सत्र हुआ, जिसमें कविता की मिठास और संवेदना दोनों स्पष्ट नजर आईं. दोपहर में एक महत्वपूर्ण सत्र शर्मिष्ठा मुखर्जी के साथ हुआ, जहाँ उन्होंने अपनी पुस्तक प्रणब माय फादर के ज़रिये पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के जीवन, व्यक्तित्व और निजी पलों को बेहद सरल और भावुक अंदाज़ में साझा किया। इस सत्र पर दर्शकों ने विशेष रुचि दिखाई. इसके बाद शहर के प्रमुख साहित्यकार मुकेश नेमा, उर्मिला शिरीष और अजय भूषण शुक्ल ने मेरा रचना धर्म में अपनी लेखनयात्रा और साहित्यिक सोच पर बातचीत की.

अंत में आयोजक समिति के प्रमुख श्री प्रवीण शर्मा ने कहा, तीन दिनों तक साहित्य, कला, संगीत और संवाद को जिस भाव से आपने जिया, उसने साबित किया कि इंदौर की सांस्कृतिक आत्मा कितनी समृद्ध है। सभी लेखकों, कलाकारों, वक्ताओं, स्वयंसेवकों और दर्शकों का धन्यवाद—आप सबके सहयोग से यह फेस्टिवल और भी उजला हुआ।

एक नजर में

गज पर सवार होकर लगाया तोरण, दिनभर गूंजे भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे

अद्भुत अनुपम भगवान मनमोहन पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा महोत्सव, ऐतिहासिक रिकार्ड दर्ज

इंदौर. देश के श्वेतांबर जैन समाज का ऐतिहासिक आयोजन आज शहर में देखा गया. भगवान पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा महोत्सव में पांचवें दिन प्रतिमाओं को वेदी पर बिठाया गया, सुबह से शाम तक अभिषेक पूजन अनुष्ठान गूंजते रहे, अक्षत की बौछार के साथ बधावे गाए गए. दूसरी एसजीएसआईटीएस कॉलेज में एक दिन में 35 हजार के करीब लोगों ने एक साथ चांदी सोने की कोटेड थालियां में भोजन किया जो वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए दर्ज हो गयाहै.

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष जय सिंह जैन सचिव शैलेश अम्बोर ने बताया कि सुबह 6 बजे मंगल गान के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ इसके बाद सुबह 9 बजे से आचार्य विजय जयानंद सुरीश्वर, आचार्य विजय दिव्यानंद सुरीश्वर महाराज दिव्य अनुष्ठान भगवान मनमोहन पार्श्व, भगवान आदेश्वर, दादा गुरु राजेंद्र सुरजी, भगवान गौतम स्वामी एवं माता जी की प्रतिमाओं को वेदी पर बिठाने के लिए पूजन शुरू हुआ. सर्वप्रथम गज (हाथी) से तोरण आनंदीलाल सागरमल अंबोर परिवार के दामाद त्रिशी दिशान अंबोर ने लगाया. इसके बाद मानक खम्ब पूजन जय सिंह टीना जैन ने किया.

भगवान को बेदी पर बिठाने से पहले जल चंदन केसर आदि से अभिषेक किया गया/ अक्षत की बौछार के साथ बधावे गान दिन भर चला. शाम को मंदिर परिसर में 5 000 दीपों से जगमग रोशनी की गई, खेल प्रशाल में में भक्ति का आयोजन रहा. विशेष अतिथि प्रमुख रूप से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जैन समाज के राष्ट्रीय संगठन जीतो के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी, भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, राजेश जैन, वरिष्ठ पत्रकार राजेश चेलावत ,जयंतीलाल बाफना, भारत मोदी, मनोज बाहेती, प्रकाश भटेवरा आदि ने आयोजन विशाल जन समुदाय को संबोधित किया. इस अवसर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए पत्र भी आयोजको को सौंपा गया. आयोजन में मुख्य रूप से टीना जैन शीतल अंबोर राजेंद्र सुराणा ,आनंदीलाल अंबोर, धनराज संघवी, सुनील जैन अशोक जैन आदि प्रमुख भूमिका में रहे. 12 नवंबर से चल रहे प्रतिष्ठा महोत्सव का सोमवार को अंतिम दिन रहेगा

हजारों लोगों ने किया भोजन, बना रिकॉर्ड

भगवान मनमोहन पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत दो दिनों से हजारों की संख्या में एसजीएसआईटीएस कॉलेज में बने पंडालों में भोजन चल रहा है . यहां पर अलग-अलग 4 डोम में सोने चांदी की कोटेड थाली में टेबल कुर्सी पर बिठाकर भोजन कराया गया जो शाम 5बजे तक तकरीबन 35000 लोगों ने भोजन कियाय 1 दिन में एक बार एक स्थान पर इतनी बड़ी संख्या में रिकॉर्ड स्तर पर किसी मंदिर ट्रस्ट के द्वारा किया गया यह देश का ऐतिहासिक आयोजन रहा . इसे वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज किया जा रहा है जिसका पत्र अतिथियों के द्वारा ट्रस्टीयो को सौंपा गया .